financial and other assistance for the growth of industries. The impact on employment opportunities being therefore of an indirect nature, it will not be feasible to quantity its extent.

उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास

*405 **श्री ओम प्रकाश त्यागी :**
श्री नारायण स्वरूप शर्मा :

क्या **औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि औद्योगिक दृष्टि से उत्तर प्रदेश अन्य राज्यों की तुलना में पिछड़ा हुआ राज्य है और गत तीन पंचवर्षीय योजनाओं में राज्य के औद्योगिक विकास के लिए बड़ी औद्योगिक योजनाएं तैयार नहीं की गई है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार चौथी पंचवर्षीय योजना में उत्तर प्रदेश में भारी उद्योग स्थापित करने के संबंध में विचार करेगी ; और

(ग) यदि हां, तो उन उद्योगों के क्या नाम हैं और वे उद्योग किन-किन स्थानों पर स्थापित किये जायेंगे ?

औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) पहली तीन पंचवर्षीय योजनाओं की अवधि में विभिन्न राज्यों में सरकारी क्षेत्र की परियोजना पर किए गए विनियोजना तथा उत्पादक पूंजी, श्रमिक संख्या तथा कारखाने में जोड़े गए उत्पादन मूल्य को देखने से पता चलेगा कि उत्तर प्रदेश उद्योगों के क्षेत्रों में कुछ राज्यों की अपेक्षा आगे हैं यद्यपि कुछ अन्य राज्य उत्तर प्रदेश की अपेक्षा आगे हैं। इस राज्य में 4 केन्द्रीय सरकार की बड़ी औद्योगिक परियोजनाएं स्थापित की गई हैं और वे हैं, डीजल लोको फैक्टरी, वाराणसी, गोरखपुर फर्टिलाइजर, गोरखपुर, एंटिबायटिक्स प्लांट ऋषिकेष, और भारी विद्युत उपकरण कारखाना हरिद्वार। एक अन्य परियोजना जिसका नाम हैवी स्ट्रक्चरल्स प्रोजेक्ट है नैनी में स्थापित की जा रही है। राज्य सरकार के क्षेत्र में अब तक स्थापित की गई प्रमुख परियोजनाएं इस प्रकार हैं : चुर्क में सीमेंट का कारखाना, लखनऊ में सूक्ष्म यंत्रों का कारखाना। एक और सीमेंट का कारखाना दल्ला में लगाया जा रहा है।

(ख) और (ग). चूंकि चतुर्थ पंचवर्षीय योजना इस समय तैयार की जा रही है अतः इस अवस्था में उत्तर प्रदेश में स्थापित की जाने वाली नई औद्योगिक परियोजनाओं के नाम, स्थापन स्थलों आदि के बारे में बता सकना संभव नहीं हैं।

Centralisation of Steel Exports and Import

*406. SHRI SITARAM KESRI : Will the Minister of STEEL AND HEAVY ENGINEERING be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Government propose to centralise Steel exports and imports through a Central Corporation ;

(b) if so, when the proposed Corporation is likely to be set up : and

(c) the results to be achieved by setting up such a Corporation ?

THE MINISTER OF STEEL AND HEAVY ENGINEERING (SHRI C. M. POONACHA) : No, Sir.

(b) and (c). Do not arise.

सहायक स्टेशन मास्टरों की पदोन्नति

*407. **श्री जगन्नाथ राव जोशी :**
श्री रामगोपाल शालवाले :

क्या **रेलवे** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि 205-280 रुपये वेतनमान वाले सहायक स्टेशन मास्टरों को उसी वेतन मान वाले स्टेशन मास्टरों के पदों पर पदोन्नत करने से पहले उनकी एक लिखित